हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार, 30 जून 2025

11 श्री नामदेव समाज चैरिटेबल ट्रस्ट के निर्वाचित पदाधिकारियों ने लिया शपथ

12 हुडा कार्यकारिणी के शपथ समारोह में छलका नगर परिषद चेयरपर्सन का दर्द

मानसून ने दिल्ली सहित पूरे देश को किया कवर, जिला महेंद्रगढ़ में अभी भी बारिश की दरकार

- भारतीय मौसम विभाग ने सम्पूर्ण इलाके पर जारी किया येलो अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मानसून की एंट्री हो गई है। मानसून ने अपने निर्धारित समय से नौ दिन पहले सम्पूर्ण भारत को कवर कर लिया है। हरियाणा एनसीआर दिल्ली के साथ समस्त भारत में रविवार को मानसून छा गया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मानसून की लय देखने को मिलेगा। बता दें कि हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 24 जून को मानसून का मंगल प्रवेश हुआ।

इसके बाद बुधवार व वीरवार को मानसून ने आधा हरियाणा को कवर किया। उसके बाद धीरे धीरे शनिवार को दिल्ली एनसीआर व रविवार को दक्षिण पश्चिम मानसून ने दिल्ली सहित पूरे देश को कवर कर लिया है।

नारनौल। आसमान में छाए बादल। फोटो : हरिभूमि

दक्षिण पश्चिम मानसून राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश व हरियाणा के शेष भागों तथा पूरी दिल्ली में आगे बढ़ते हुए पूरे भारत को कवर करने की सामान्य तिथि आठ जुलाई से नौ दिन पहले की सामान्य तिथि के मुकाबले रविवार को पूरे देश को कवर कर लिया है।

हरियाणा के उत्तरी व पूर्वी जिलों और मध्यवर्ती तथा पश्चिमी जिलों में बारिश की दर्ज की गई, जबकि हरियाणा के दक्षिणी हिस्सों में मानसून की धीमी शुरूआत देखने को मिल रही है। हरियाणा के दक्षिणी जिलों के हिस्सों में अभी भी बारिश की दरकार बनीं हुई हैं। बरहाल भारतीय मौसम विभाग की ओर से मानसून के आगमन का निर्धारण मुख्य रूप से वायुमंडलीय परिस्थितियों, समुद्र व भूमि के तापमान में अंतर, हवा के पैटर्न में बदलाव से होता है। भारतीय मौसम विभाग इन कारकों का विश्लेषण करके मानसून के आगमन की घोषणा करता है, क्योंकि मानसून के आगमन का निर्धारण एक जटिल प्रक्रिया है। जिसमें कई कारकों का विश्लेषण किया जाता है। भारतीय मौसम विभाग इन कारकों का उपयोग करके मानसून के आगमन की भविष्यवाणी करता है और घोषणा करता है। रविवार अलसुबह से ही हरियाणा के उत्तरी जिलों पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, पानीपत तथा इसके बाद सोनीपत, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी और एनसीआर दिल्ली, फरीदाबाद, पलवल, मेवात के अलावा गुड़गांव, रेवाड़ी व जिला महेंद्रगढ़ में भी मानसून की गतिविधियां दर्ज की गई।

आने वाले दिनों में मानसून दिखाएगा अपने रंग

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के उत्तर पश्चिमी भाग पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जिसके अगले दो दिनों में धीरे धीरे पश्चिम उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है। साथ ही उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से एक ऊपरी हवा का चक्रवातीय परिसंचरण उत्तरी हरियाणा व निकटवर्ती क्षेत्रों पर माध्य समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है। इसके अलावा एक ऊपरी हवा का चक्रवातीय परिसंचरण दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों पर माध्य समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है। इन सभी मौसम प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से आने वाले दिनों में मानसून अपने रंग दिखाएगा। इसलिए भारतीय मौसम विभाग ने सम्पूर्ण इलाके पर येलो अलर्ट जारी कर दिया है। रविवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन के तापमान सामान्य से नीचे, जबकि रात के तापमान सामान्य से अधिक बने हुए हैं। जिला महेंद्रगढ़ में सुबह से शाम तक लगातार बादलों की आवाजाही बनी रही। दोपहर बाद हल्की बारिश व बूंदाबांदी हुई। जिससे मौसम सुहावना बन गया। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ में दिन और रात का तापमान क्रमशः 34.5, 27.6 डिग्री सेल्सियस तथा 35.6 व 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

खबर संक्षेप

दुकान से चोरों ने चुराई नकदी और सिगरेट

नारनौल। जल महल के समीप नई सब्जी मंडी गेट नंबर एक के पास बनी किराणे की दुकान के ताले तोड़कर चोर वहां से करीब तीन हजार रुपये की नकदी, सिगरेट एवं रेडबुल के कैन चुरा ले गए। पीड़ित मुकेश सैनी पुत्र रामचंद्र सैनी वासी मोहल्ला कायस्थवाड़ा ने बताया कि उसने सब्जी मंडी गेट नंबर एक के पास किराणे की दुकान कर रखी है। बीती रात को चोर दुकान का ताला तोड़कर शट्टर न खुलने पर सीढी के सहारे छत पर चढ़े और जिन्ने के रास्ते दुकान में घुसे, जहां से वह 3000 रुपये की रोकड़ी और सिगरेट के पैकेट तथा रेडबुल के कैन आदि करीब 9 हजार रुपये का सामान चुरा ले गए।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए अदालत कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष बिजली अदालत का आयोजन एक जुलाई को सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि बिजली अदालत सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक संचालित की जाएगी। हुड्डा ने बताया कि इस अदालत में उपभोक्ता बिजली कनेक्शन से संबंधित शिकायतों व बिजली बिल से जुड़ी समस्याओं को सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

वर्षों से बंद पड़ा है किसान मॉडल स्कूल का निर्माण कार्य

खंडहर में तब्दील हो रहा है किसान मॉडल स्कूल का सपना, 11 साल में भी नहीं हुआ निर्माण कार्य पूरा

- वर्ष 2010 में कांग्रेस सरकार की ओर से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में किसान मॉडल स्कूल खोलने की बनाई गई थी योजना
- वर्ष 2014 में चार जिलों में शुरू हुआ था किसान मॉडल स्कूल का निर्माण कार्य, वर्तमान में केवल चरखी दादरी के स्कूल में चल रही है छह विभागों के कार्यालय व एक पीजी कॉलेज

महेश कुमार ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। किसान मॉडल स्कूल में खड़ी झाड़ियां व किसानों द्वारा स्कूल में डाला गया ईंधन। फोटो : हरिभूमि

जिले के गांव नांगल सिरोही में प्रस्तावित किसान मॉडल स्कूल सरकारी अनदेखी और प्रशासनिक उदासीनता का शिकार बन गया है। वर्ष 2014 में शुरू हुई इस महत्वाकांक्षी योजना पर करोड़ो रुपये खर्च होने के बाद भी खंडहर नजर आ रहा है। किसान मॉडल स्कूल दो मंजिला भव्य भवन बनाया जाना था, लेकिन सिर्फ ग्राउंड फ्लोर का 70 प्रतिशत निर्माण ही हो पाया। इसके बाद बजट की कमी के कारण कार्य रुक गया और भवन अब धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील हो गया है। भवन की नींव में पेड़ उग आए हैं और शरारती तत्वों का अड्डा बन चुका है।

बता दें कि वर्ष 2010 में कांग्रेस सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा देने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक किसान मॉडल स्कूल शुरू करने की योजना बनाई थी। इनमें विद्यार्थियों को विज्ञान गणित, कॉमर्स विषयों के साथ-साथ संगीत, पेंटिंग, कंप्यूटर की शिक्षा दी जानी थी। वर्ष 2014 में महेंद्रगढ़ के नांगल सिरोही, चरखी दादरी, झज्जर के सुबाना और रोहतक के गांव सांघी में भवन का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। गांव नांगल सिरोही, सुबाना व सांघी के किसान मॉडल स्कूल के भवन अब पूरी तरह से जर्जर हो चुके है। जबकि चरखी दादरी के विद्यालय में छह विभागों के कार्यालय व एक पीजी कॉलेज चल रहा है।

8 साल में 70 प्रतिशत निर्माण लेकिन काम अधूरा

जिला महेंद्रगढ़ में किसान मॉडल स्कूल बनाने के लिए नांगल सिरोही गांव का चयन किया गया था। इसके लिए 6.30 करोड़ रुपये मंजूर होने के बाद निर्माण कार्य मार्च 2014 में शुरू हो गया। लेकिन 6.5 एकड़ क्षेत्र में बन रहे इस स्कूल के लिए बजट बाद में घटाकर 3.45 करोड़ कर दिया गया। बजट की कमी और बिल रोके जाने से निर्माण करने वाले ठेकेदार ने बीच में ही कार्य रोक दिया। दो मंजिला भवन प्रस्तावित था, लेकिन सिर्फ ग्राउंड फ्लोर का लगभग 70 प्रतिशत काम ही हो पाया। अब वर्षो से निर्माण बंद होने से इस भवन के पूरा बनने से पहले ही खंडहर होने का खतरा है।

भवन में उग आए पेड़, बना शरारती तत्वों का अड्डा

लंबे समय तक देखरेख के अभाव में यह अधूरा भवन जंगली पेड़ों से घिरा खंडहर बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार शरारती तत्वों ने इस इमारत को अपना ठिकाना बना लिया है, जिससे गांव में असुरक्षा का माहौल भी बनता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सरकार किसान मॉडल स्कूल की योजना को अब आगे नहीं बढ़ाना चाहती, तो इस भूमि और भवन का बेहतर उपयोग होना चाहिए। ग्रामीणों ने सुझाव दिया कि यहां इंजीनियरिंग कॉलेज या पॉलीटेक्निक संस्थान खोला जा सकता है जिससे क्षेत्रीय विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा और करोड़ों की राशि व्यर्थ नहीं जाएगी।

महेंद्रगढ़। स्कूल के भवन में डाला गया तूड़ा। फोटो : हरिभूमि

गाड़ियों के ठहराव को लेकर सांसद के नाम सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। दैनिक रेलयात्री महासंघ के अध्यक्ष ने रेलगाड़ी के ठहराव को लेकर एक लिखित ज्ञापन भिवानी-महेंद्रगढ़ सांसद चौ. धर्मबीर सिंह के पुत्र चौ. मोहित को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि गाड़ी संख्या 12323-24 हावड़ा से बाड़मेर सप्ताह में दो दिन चलने वाली रेलगाड़ी का महेंद्रगढ़ के अमृत स्टेशन पर ठहराव नहीं है। इन गाड़ियों में यात्रा करने के लिए महेंद्रगढ़ क्षेत्र के लोगों को रेवाड़ी या फिर लोहारू स्टेशन जाना पड़ रहा है। दैनिक रेल यात्री महासंघ कई साल मांग उठा रहे हैं कि महेंद्रगढ़ में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ-साथ यहां के बड़े-बड़े शिक्षण संस्थानों में हरियाणा ही नहीं पूरे देशभर के छात्र-छात्राएं पढ़ने आते हैं। उनकी सुविधा को देखते हुए यहां पर इन गाड़ियों का ठहराव अति आवश्यक है। पाटोदा ने बताया कि सुबह सात बजे महेंद्रगढ़ से दिल्ली के एक नई इएमयू चलाने व सायं के समय रेवाड़ी से महेंद्रगढ़ के लिए इएमयू रेलगाड़ी चलाने की मांग की।

महेंद्रगढ़। अपनी मांगों को लेकर सांसद पुत्र को ज्ञापन सौंपते दैनिक रेलयात्री महासंघ के सदस्य।

गर्मी एवं उमस में घुटन से दो लोगों की मौत

नारनौल। क्षेत्र में बीते दिवस तेज गर्मी एवं उमस में दम घुटने से दो अलग-अलग जगहों पर दम घुटने से मौत हो गई। दोनों ही संदिग्ध परिस्थितियों में सुनसान जगहों पर मृतावस्था में मिले। करीब 41 वर्षीय अनिल कुमार वासी गांव मकसूसपुर सिंघाना रोड पर गांव रघुनाथपुरा के जलेबी चौक के पास मृतावस्था में मिला। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मुताबिक अनिल कुमार अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था तथा नशे का आदि हो गया था। उसके दो बेटी एवं एक छोटा बेटा है। वह जलेबी चौक के पास सड़क किनारे मृतावस्था में मिला। माना जा रहा है कि तेज गर्मी एवं उमस में दम घुटने से उसकी मौत हो गई। दूसरी घटना के अनुसार शहर के सिंघाना रोड पर ही नहर के साथ लगते खाली प्लाटों में एक व्यक्ति की लाश मिली, जिसकी पहचान करीब 39 वर्षीय बब्लू अहीरवार वासी नेगुवान जिला छत्तरपुर एमपी हाल आबाद केशव नगर गली नंबर 3 के रूप में हुई। परिजन तुलसीदास ने बताया कि बब्लू नशे का आदि था और गर्मी एवं उमस में दम घुटने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया।

कोरियावास मेडिकल कॉलेज के नामकरण मामले में धरना जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रदेश सरकार शहीदों की अनदेखी कर रही है। नसीबपुर शहीद मेमोरियल, रेजांगला स्मारक जैसे अनेक मुद्दे हैं, जिस से सरकार की मंशा जाहिर होती है। उक्त विचार इंकलाब युवा संगठन के अध्यक्ष व पूर्व जिला पार्षद कुलदीप सुरजनवास ने गांव कोरियावास मेडिकल कॉलेज के नामकरण को लेकर जारी धरने को समर्थन देते हुए व्यक्त किए।

नसीबपुर के ऐतिहासिक मैदान में राव तुलाराम के नेतृत्व में 5000 वीर जवानों ने अपनी शहादत दी थी। सरकार की ओर से नसीबपुर के ऐतिहासिक मैदान में शहीद मेमोरियल बनाने की घोषणा की थी, लेकिन फाइल अधिकारियों की टेबलों पर धूल फांकती रही, जबकि नसीबपुर के साथ ही घोषित हुआ अंबाला का शहीद मेमोरियल लगभग बनकर तैयार हो गया है। रेजांगला की ऐतिहासिक लड़ाई में इस क्षेत्र के वीर जवानों ने अपनी शहादत दी, उसको लेकर महेंद्रगढ़ में बनने वाला रेजांगला पार्क भी अभी तक नहीं बन पाया है। महेंद्रगढ़ के चंद्रशेखर आजाद चौक का नाम बदलकर परशुराम चौक कर दिया गया। यह सरकार शहीदों के गौरवशाली इतिहास को मिटाना चाहती है। राव तुलाराम 1857 की क्रांति के वीर योद्धा थे। कोरियावास मेडिकल कॉलेज का नाम राव तुलाराम के नाम पर होना चाहिए। समाजसेवी व पूर्व जिला पार्षद प्रतिनिधि कालू टांडु ने कहा कि सरकार लोगों की मांग को अनदेखा कर रही है। सरकार को लोगों की मांग को ध्यान में रखकर मेडिकल कॉलेज का नाम राव तुलाराम के नाम पर करना चाहिए।

निर्धारित मापदंडों का निरीक्षण करने में विभागीय अधिकारियों की लापरवाही से लोगों में आक्रोश, भ्रष्टाचार के आरोप

बिना फायर एनओसी चल रहा निजी अस्पताल व लाइब्रेरी आपात परिस्थितियों में मरीजों को जान का खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

डिग्री धारक चिकित्सक निजी अस्पताल खोलने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन उन्हें विभाग के निर्धारित मापदंडों की पालना करनी होगी। नांगल चौधरी के अधिकांश निजी अस्पताल मानकों पर उतीर्ण नहीं, ऐसे में मरीजों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। इसके अलावा लाइब्रेरी संचालन में भी नियमों की अनदेखी होने की शिकायतें अग्निशमन विभाग में दर्ज हुई हैं।

आपको बता दें कि नांगल चौधरी के अधिकांश गांवों में परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं। ग्रामीणों को अवैध सवारी वाहनों में सफर करके शहर आना पड़ता है। मरीजों को अवैध वाहनों में बैठने व उतरने में परेशानी रहती है। इसलिए गांवों में निजी क्लीनिक व मेडिकल स्टोरों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। शहर व गांवों में 15 से अधिक निजी क्लीनिक हैं, लेकिन अधिकतर अस्पतालें विभागीय मापदंडों पर उत्तीर्ण नहीं। अस्पतालों में अग्निशमन यंत्र तथा विभागीय एनओसी होना अनिवार्य है। यंत्रों को ऑपरेट करने के लिए लाइसेंस धारक कर्मचारी की नियुक्ति जरूरी है, ताकि आपात परिस्थितियों में मरीजों को जानलेवा जोखिम से बचाया जा सके, लेकिन शहर के ज्यादातर निजी अस्पतालों के पास फायर एनओसी नहीं। विभिन्न कारणों से आगजनी होने पर मरीजों को जानलेवा खतरा संभव है।

नांगल चौधरी। नगर पालिका कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

लाइब्रेरी संचालकों के खिलाफ करेंगे कार्रवाई

फायर निरीक्षक राजबीर सिंह ने बताया कि नांगल चौधरी में किसी भी लाइब्रेरी संचालक ने फायर एनओसी नहीं ली और न ही अप्लाई किया हुआ है। एक दो निजी अस्पताल संचालकों ने फायर के मापदंड पूरे किए हैं, जल्द ही चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। मापदंडों पर अनफिट संस्थानों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

आगजनी हुई तो राहत पहुंचाना नहीं हो पाएगा संभव

राहुल कुमार, विनोद कुमार, रामनरेश, कृष्ण कुमार ने बताया कि अधिकांश लाइब्रेरी तंग रास्तों पर संचालित हैं और वहां अग्निशमन के यंत्र व एनओसी भी उपलब्ध नहीं। सीईटी पेपर नजदीक होने के कारण सभी लाइब्रेरी में 100 से 150 विद्यार्थियों का उपस्थिति रहती है। ऐसी परिस्थितियों में आगजनी का हादसा हुआ तो मौके पर फायर बिग्रेड का पहुंचना संभव नहीं। मापदंडों पर अनफिट संस्थानों में पढ़ाई कर रहे युवाओं को जानलेवा खतरा बना हुआ है।

गंभीर मुद्दा, हो सकता है जानलेवा साबित

निजी अस्पतालों व अन्य प्रतिष्ठानों में फायर एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) की अनुपलब्धता एक गंभीर मुद्दा है, जो जानलेवा हो सकता है। फायर एनओसी सुनिश्चित करती है कि भवन में आग से बचाव के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं और आपात स्थिति में लोगों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त प्रावधान हैं।

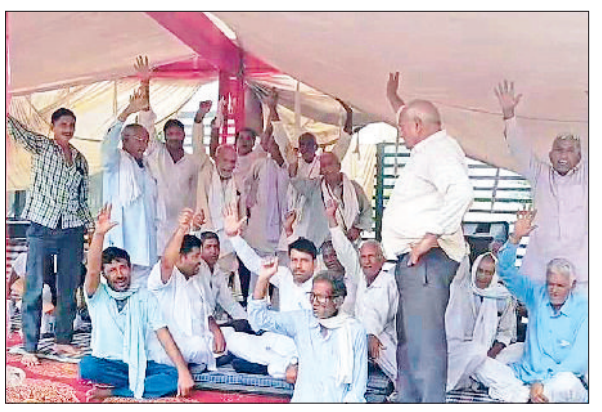

नारनौल। धरने पर बैठे ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

सावन की मस्ती

सावन माह शुरू होने जा रहा है। सावन की मस्ती से भला कौन वाकिफ नहीं। रिमझिम के दौरान युवाओं के अलावा बच्चे भी घरों की छतों पर या गलियों में अक्सर उछल-कूद करते हुए देखे जा सकते हैं। गलियों में पानी भर जाने पर कागज की किश्ती बनाकर उसे तैराना हर किसी के जीवन का खास यादगार पल होता है। किशोरों की टोलियों को बरसात में भीगना, एक-दूसरे को भिगौना खूब सुहाता है। ऐसे में बड़े-बुजुर्ग और महिलाएं अक्सर गुलगुले-पकौडे.आदि पकवान का स्वाद लेते हैं।

चौमासे में गुलगुले-घेवर की खुशबू से महकेंगी गलियां

प्रदेश में सावन के महीने में सरसों के तेल का सेवन सेहत के लिए उत्तम माना जाता है। इसलिए आज भी गांव-देहात में सावन के महीने में गुलगुले और सुहाली बनाकर खाए जाते हैं। एक समय ऐसा भी था, जब बारिश होते ही सभी घरों में कढ़ाइयां चढ़ जाती थी और सरसों के तेल में मीठे आटे से गुलगुले और सुहालियां बनाई जाती थी। कोथली के लिए और घरों में खाने के लिए आजकल बाजारू चीजों को वैरियता दी जाने लगी है। अब बारिश के मौसम में गुलगुले व सुहाली भी कम ही बनने लगे हैं।

चातुर्मास

राज कुमार नरवाल

चौमासा शुरू हो गया है। बारिश का मौसम आ गया है। अब हमारा रहन सहन, खान-पान और पहनावा बदल जाएगा। हमारे पूर्वजों ने ऋतुओं के हिसाब से ही हमारी परंपराएं व रीति-रिवाज बनाए थे। हमारे पूर्वजों के बनाए इन नियमों पर चलते हुए हम अपने आप को स्वस्थ रख सकते हैं। झुलसाने वाली ज्येष्ठ महीने की गर्मी के बाद आषाढ़ महीना चल रहा है। 11 जुलाई से सावन का महीना शुरू हो जाएगा। बरसात के इस मौसम में हमें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए, हमारे पूर्वजों ने हमारे लिए नियम तय किए थे। सबसे पहले बात करते हैं कि चौमासा होता क्या है?

हरियाणा में 'चौमासा' शब्द का उपयोग वर्षा ऋतु के चार महीनों (आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और आश्विन) के लिए किया जाता है। इसे चातुर्मास भी कहा जाता है। इस दौरान, शुभ और मांगलिक कार्यों को करना शुभ नहीं माना जाता है। चातुर्मास चार महीनों (120 दिन) का होता है, जो आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (देवशयनी एकादशी) से शुरू होता है और कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (देवउठनी एकादशी) तक चलता है। इन चार मास में हमारा खान-पान और रहन सहन बदल जाते हैं। इस दौरान कुछ त्योहार भी आते हैं। इन त्योहारों को धूमधाम से मनाया जाता है। चौमासा शुरू होते ही हमारे गांवों की गलियां गुलगुले, सुहाली और घेवर की खुशबू से महकने लगती हैं। चौमासा शुरू होते ही शहरों और गांवों में अभी से ही घेवर बनना शुरू हो गया है। सावन का महीना शुरू होते ही बरसात के मौसम में बनाए जाने वाले पकवानों की महक और बढ़ जाएगी।

गुलगुले और सावन का खास मेल

गुलगुले-सुहाली और सावन के महीने का खास मेल है। हरियाणा प्रदेश में सावन के महीने में सरसों के तेल का सेवन सेहत के लिए उत्तम माना जाता है। इसलिए आज भी गांव-देहात में सावन के महीने में गुलगुले और सुहाली बनाकर खाए जाते हैं। एक जमाना ऐसा भी था, जब बारिश होते ही सभी घरों में कढ़ाइयां चढ़ जाती थी और सरसों के तेल में मीठे आटे से गुलगुले और सुहालियां बनाई जाती थी। कोथली के लिए और घरों में खाने के लिए आजकल बाजारू चीजों को वैरियता दी जाने लगी है। पहले की बजाए अब बारिश के मौसम में गुलगुले व सुहाली भी कम ही बनने लगे हैं।

भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत बनाती है सावन की कोथली

हरियाणा में महिलाओं के मान-सम्मान से जुड़े कई ऐसे रीति रिवाज हैं, जो आज भी गांव-देहात में प्रचलित हैं। यहां सावन के महीने में भाई अपनी बहन को कोथली देने जाता है। इसमें वह उसके कपड़े, गुलगुले, सुहाली, घेवर, पतासे व फल आदि लेकर जाता है।

बहनों को सावन में अपने भाइयों का बेसब्री से इंतजार रहता है, कि कब भाई आए और वह अपने आस-पड़ोस व परिवार को बताए कि उसका भाई उसकी कोथली लेकर आया है। महिलाएं कोथली में आए सामान को आस-पड़ोस में बड़े चाव से बांटती हैं। लेकिन कोथली का यह रिवाज अब आधुनिकता की भेंट चढ़ता जा रहा है। बहन-भाई के रिश्ते अब पहले जितने प्रगाढ़ नहीं रहे, जिस वजह से अब बहुत से भाई अपनी बहन की कोथली देने नहीं जाते।

किसी जमाने में जो भाई अपनी बहन की कोथली नहीं देने जाता था, उसे समाज में हीन भावना से देखा जाता था और समाज के डर से नाराजगी में भी वह अपनी बहन की कोथली देने जाता था। बहन व भाई नाराज हो जाते थे तो सावन के महीने में भाई कोथली लेकर बहन के घर पहुंचता तो सारे गिले-शिकवे दूर हो जाते थे। कोथली एक ऐसा रिवाज है, जिससे बहन और भाई का रिश्ता और मजबूत बनता है। मगर अब वह पहले जैसी बात नहीं रही। अब रिश्तों की मिठास कम होती जा रही है। सावन में कोथली यदि लेट हो जाती तो महिलाएं गीतों के माध्यम से उलाहने देना शुरू कर देती थी। एक गीत में एक महिला ने किसी जमाने में उलाहना देते हुए यह गीत गाया था कि-

नीमों के निंबोली लागी सामणिया कद आवैगा,
मरियो ए बसंता नाई मेरी कोथली कब लावैगा।

पुराने जमाने में यदि भाई को समय नहीं होता तो नाई को कोथली देने भेज देते थे। इसलिए इस गीत में नाई का जिक्र है। एक महिला का भाई नहीं था, जिसने गीत के माध्यम से कोथली न पहुंचने की पीड़ा अपनी सास के साथ इस प्रकार जाहिर की थी

ऐरी सासड़ तीजां का बड़ा त्योहार
मेरा कोन्या मां का जाया बीर,
मेरी कोथली कोण पहुंचावैगा।

सावन माह में सिंधारा

शादी के बाद जब पहला सावन आता है तो सावन के महीने में लड़की अपनी ससुराल में नहीं रहती। वह अपने मायके चली जाती है। इस दौरान नवविवाहिता का ससुर सिंधारा लेकर बेटे की ससुराल पहुंचता है। इस सिंधारे में भी कोथली वाला ही सामान होता है। यह भी ऐसी परंपरा है, जिससे रिश्तों को मजबूती मिलती है।

बहन के घर देते हैं सिधा

होली, दीपावली और मकर सक्रांति आदि त्योहारों पर भाई अपनी बहनों के पास सूट, फल, मिठाई और घी आदि लेकर जाते हैं। भाई को त्योहार पर अपने घर देखकर बहन बहुत खुश होती हैं। अपने दुख-सुख सांझा करती हैं और यदि बहन की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो भाई जो सामान लेकर पहुंचता है उससे परिवार का त्योहार अच्छे तरीके से मन जाता है।

तीज का त्योहार

हरियाणा प्रदेश में वर्षा ऋतु (मानसून) के आगमन पर तीज का त्योहार सबसे पहले आता है, जो जुलाई या अगस्त में पड़ता है। कहा भी जाता है कि आई तीज, बिखेरगी बीज अर्थात तीज पर्व से त्योहारों का आगमन प्रारंभ हो जाता है। यह त्योहार पार्वती और भगवान शिव के प्रेम का प्रतीक है और हरियाली तीज के नाम से भी जाना जाता है। महिलाएं इस दिन हरे रंग के कपड़े पहनती हैं और रंग-बिरंगी चूड़ियां पहनती हैं।

धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं। चातुर्मास के दौरान, विवाह, गृह प्रवेश, सगाई जैसे शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। यह समय पूजा-पाठ, जप, ध्यान, और आत्म-चिंतन के लिए उत्तम माना जाता है। चातुर्मास में, कुछ लोग जमीन पर सोते हैं, शाकाहारी भोजन करते हैं, और कुछ विशेष वस्तुओं जैसे कि गुड़, तेल, दूध, दही, बैंगन, शाकपत्र आदि का सेवन नहीं करते हैं।

गोगा नवमी का त्योहार

यह त्योहार भाद्रपद महीने में मनाया जाता है। यह त्योहार गोगा वीर (एक लोक देवता) को समर्पित है, जो सांपों के देवता के रूप में भी जाने जाते हैं। इस दिन, लोग गोगा वीर की पूजा करते हैं और सांपों से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं।

लोकगीत और नृत्य

बारिश के मौसम में, हरियाणा में लोकगीत और नृत्य का विशेष महत्व है। लोग पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ गाते और नाचते हैं, जो बारिश और फसल के मौसम का जश्न मनाते हैं।

चौमासा फसल के लिए खास

खरीफ की फसल के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। यह समय किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण होता है, और वे इस दौरान अपने खेतों में काम करते हैं। बारिश का मौसम हरियाणा के किसानों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह फसल उगाने का समय होता है। इस दौरान, किसान खेतों में काम करते हैं और फसल की अच्छी पैदावार के लिए प्रार्थना करते हैं।

इस मौसम में खान-पान का विशेष ध्यान रखना जरूरी

- बारिश के मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियां नहीं खानी चाहिए। क्योंकि इनमें बैक्टिरिया और किटाणुओं से संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। पत्तों के बीच में कीड़े मिलने की संभावना बनी रहती है।
- लौकी, करेला और तोरई का सेवन करना : चाहिए।
- दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही, छाछ व पनीर सीमित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।
- मांस, मछली और अंडे तामसिक भोजन में आते हैं, ये पाचन तंत्र को प्रभावित करते हैं, इसलिए चौमासा में इनका सेवन करने से बचना चाहिए।
- बैंगन में भी कीड़े होने की संभावना बनी रहती है, इसलिए बैंगन नहीं खाना चाहिए।
- धार्मिक मान्यताओं में भाद्रपद महीने में तो दही का सेवन वर्जित माना गया है।
- मूंग, मसूर और अरहर की दाल का सेवन करना चाहिए।
- मौसमी फल जो शरीर को विटामिन और खनिज प्रदान करते हैं, ऐसे फलों का सेवन करना चाहिए।
- संभव हो तो चौमासे में दिन में केवल एक बार ही भोजना करना चाहिए। रात को हल्का भोजन या फल खाना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। भोजन को साफ़ और स्वच्छ वातावरण में बनाना चाहिए।
- चौमासा के दौरान, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- यदि कोई व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित है, तो उसे डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए कि उसे क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए।

रागनी **डा. रणबीर सिंह दहिया**

निकम्मा घना सै करतार

सोलां सोमवार के ब्रत राखे मिल्या नहीं सही भरतार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घना सै करतार

बालकपन तैं चाहया करती मन चाहया भरतार मिलै
बराबर की इंसान समझै ठीक ठाक सा घर बार मिलै
उठते बैठते सोच्या करती बढ़िया सा मनै परिवार मिलै
मेरे मन की बात समझले नहीं घणा वो थानेदार मिलै
इसकी खात्तर मन्नत मानी चढ़ावे चढ़ाए मनै बेसुमार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

मेरी सहेली नै ब्याह ताहिं एक खास भेद बताया था
सोलां सोमवार के ब्रत करिये मेरे को समझाया था
बोली मनचाहया वर मिलै जिसनै यो प्रण पुगाया था
मनै पूरे नेग जोग करे एक बी सोमवार ना उकाया था
बाट देखै बढ़िया बटेऊ की यो म्हारा पूरा ए परिवार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

कई जोड़ी जूती टूटगी फेर जाकै नै यो करतार पाया
पहलम तै बोले बहु चाहिए ना चाहिए सै धन माया
ब्याह पाछै घणे ताने मारे छोरा बिना कार के खंदाया
सपने सारे टूटगे मेरे बेबे सोमवार ब्रत काम ना आया
पशु बरगा बरतावा सै ना करै माणस बरगा व्यवहार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

ये तो पाखण्ड सारे पाये ना भरोसा रहया भगवान मैं
उसकी ठीक गलत सारी पुगायी ना दया उस इंसान मैं
फेर न्यों बोले पाछले मैं कमी रही भक्ति तनै पुगाण मैं
आंधा बहरा राम जी भी नहीं आया पिटती छुड़ाण मैं
कहै रणबीर बरोने आला आज पाखंडाँ की भरमार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

कविता **राजपाल सिंह गुलिया**

मजबूरी का मोल नहीं सै

मजबूरी का मोल नहीं सै , कहते आए लोग सयाणे।
देखे हमने अकल बिना भी, इस दुनिया में ऊँट उभाणे ॥

टोटा बैरी मजबूरी म्हँ, जिब चूँट - चूँट कै खावै सै ।
लाचारी हो पर्वत तैं भारी , कुछ ना पार बसावै सै।
आग बलै ना अगर पेट म्हँ, तै कोण कमावण जावै से।
मजबूरी या प्यार घणा हो ,ना तै कोण किसे कै खावै से ।
कोण अपणा भेद बतावै से , बिना जाणे और पिछाणे ॥

घणा कसूता काम देख ल्यो, माणस जिब मजबूर हों सैं।
कुछ तै फाँसी खा कै मरज्या, कुछ नशे म्हँ ए चूर हों सैं।
दर्द कसूता हो सै जिब, नूँह आंगलियाँ तैं दूर हों सैं।
वो भी हमने पिटते देख्ये, जिनके ..नाहीं कसूर हों सै।
इब वोहे लोग .मसूर .हों , जो गावैं सैं भूंडे गाणे।

जिनके .देख्ये छो आवै सै, उनतै करणे सलाम पड़ैं सैं
दो धेले के माणस तैं भी, कदे जरूरी काम पड़ैं सैं।
लुक - छुप .कै .जो काम करे , मानने सरेआम पड़ैं सैं।
शौक और मजबूरी म्हँ तैं , देणे दूणे दाम पड़ैं सैं।
ज्यूँ आँधी म्हँ आम झड़ैं सैं , लागे न्यू ये दाम बिराणे ॥

किसै की घणी किसै की थोडी, सबकी ए मजबूरी हो सै।
वो भी फिरैं हाँडते मिरगा , जिन धोरे कस्तूरी हो सै।
दिल अपणे नै डाट बावले , यो भी भोत जरूरी हो सै।
सभ के मन की इच्छा बोलो, किसकी किसतैं पूरी हों सैं।
राजपाल गुलिया कहता, थम, भी बणो आंध्यां म्हं काणे ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कार्यकाल **अंग्रेजों ने बदले की भावना से विशाल झज्जर रियासत को 54 वर्षों बाद ही 1858 में मात्र एक तहसील बना दिया था**

बेहद रोचक इतिहास है रियासत झज्जर का

झरोखा **यशपाल गुलिया**

अंग्रेजों ने बदले की भावना से विशाल झज्जर रियासत को मात्र एक तहसील बना डाला था। पाठ्य सामग्री के अभाव के कारण झज्जर के इतिहास बारे ज्यादातर नागरिक आज तक अनभिज्ञ ही हैं। केवल झज्जर के अन्तिम नवाब के विषय में ही जाना जाता है, जबकि सन 1804 में झज्जर के एक रियासत बनने से पहले भी यह एक शासकीय दस्तूर / परगना रहा था जिस पर विभिन्न प्रशासक नियुक्त रहे थे।

झज्जर नगर की स्थापना वर्ष 1200 के आसपास भोजू जाट द्वारा की गई थी। उसके बाद नव स्थापित बस्ती ने तीव्र गति से विस्तार किया तथा सुदूर क्षेत्र अफगानिस्तान तक के नागरिक यहां आकर आबाद होने लग गए। एक दो शताब्दी के बाद यहां क्रमशः तीन बाह्य कबीलों का वर्चस्व कायम रहा। इनमें बहिस्ति कबीला, फिर पठान कबीला तथा बादशाह जहांगीर के काल में कलाल कबीले का नियन्त्रण रहा। उसके बाद दिल्ली दरबार से झज्जर पर विधिवत प्रशासक नियुक्त किए जाने लगे। इस तरह झज्जर का रूतबा एक दस्तूर स्तर का बन गया जिसके अन्तर्गत चार परगने झज्जर खास, दादरी तोए, मान्डोटी तथा बेरी दुबलधन आते थे। 16वीं शताब्दी से ही दिल्ली बादशाह के वजीर को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर प्रदान किया जाने लगा था। उस प्रचलन में विभिन्न प्रशासक नियुक्त किए गए थे। इनमें आकिल खां पठान, मीर मुश्तजा खां ईरानी, नजफ कुली खां, बेगम समरू, जार्ज थामस, फरुख नगर नवाब तथा भरतपुर राजा आदि के नाम शामिल हैं।

शाही वजीर सफदरजंग द्वारा नियुक्त मुरतजा खां ईरानी ने 1750 में झज्जर में एक किला बनाया था, जिसको गढ़ी पुकारा जाता था। यह पुराने थाने वाले स्थान पर था। उसके बाद लगभग 10 वर्षों तक फरूखनगर व झज्जर पर भरतपुर शासकों ने बलात कब्जा करके खुशहाल राय व राम किशन आदि यहां के प्रशासक नियुक्त किए थे। आश्चर्यजनक रूप से झज्जर पर वर्ष 1790 में दो सिखी साहब सिंह व मन्झा सिंह ने भी अधिकार कर लिया था। फिर 1794 से मराठों ने झज्जर को जार्ज थामस को प्रदान कर दिया, जिसने जहाजगढ़ में एक किला बनाया तथा हिसार तक के क्षेत्र पर कब्जा करके स्वतन्त्र राज्य ही बना लिया था। दिल्ली पर 1803 से अंग्रेजों का आधिपत्य होने पर उन्होंने झज्जर को एक विशाल रियासत बना दिया। इसका क्षेत्र नारनौल, महेन्द्रगढ़, दादरी व बावल तक था।

निजाबत अली खां बना पहला नवाब

निजाबत अली खां झज्जर का प्रथम नवाब बनाया गया। लेकिन 54 वर्षों बाद 1858 में झज्जर रियासत को अंग्रेजों ने ही समाप्त कर दिया था। तब तक फैज अली खां, फैज मोहम्मद खां और अब्दुर रहमान खां आदि झज्जर के नवाब रहे थे। यद्यपि अन्तिम नवाब ने 1857 में अंग्रेजों से कोई प्रत्यक्ष युद्ध नहीं किया था लेकिन उसने दिल्ली से भागकर आए अंग्रेज मैटकाफ को शरण भी नहीं दी थी। इसका खामियाजा उसको फांसी के तौर पर भुगतना पड़ा। झज्जर के सम्पूर्ण इतिहास का उल्लेख गुलाम नबी द्वारा 1860 में लिखी गई पुस्तक में भी उर्दू भाषा में उपलब्ध है।

झज्जर के अंतिम नवाब द्वारा छुछकवास में बनवाया गया महल, जहां से अंग्रेजों ने उसको 1857 में बंदी बनाया था, यहां शिलालेख आज भी विद्यमान है। अंतिम नवाब द्वारा निर्मित झज्जर में स्थित महल।

खाकी के कैनवास पर कला के अक्स बुन रहे एसीपी राजेन्द्र सिंह

प्रतिभा **गुलशन वर्मा**

पुलिस... मतलब कड़क अंदाज, कठोर कार्यशैली, कड़ा अनुशासन। चौबीसों घंटे केस, कोर्ट-कचहरी, कानून, कायदा, कार्रवाई, कैदी, एनकाउंटर, लाठीचार्ज, हथकड़ी, जमानत, मुजरिम एफआईआर आदि आदि। ऐसा मान लिया जाता है कि पुलिस कर्मचारी या अधिकारी का जीवन भावशून्य व संवेदनाविहीन हो जाता है। खाकीधारियों की भीड़ में कुछ ऐसी शख्सियतें भी हैं जो कठोर प्रतिबद्धता के साथ कर्तव्य पालन में आदर्श बन कर खड़े हैं पर साथ ही व्यस्त दिनचर्या में से कुछ पल निकाल कर यह साबित कर रहे हैं कि खाकी सिर्फ कठोरता का पर्याय नहीं। कला, संस्कृति, काव्य, तूलिका भी उनके जीवन में अहम स्थान रखते हैं। यह शख्सियत हैं तूलिका के मास्टर और कविता के फनकार राजेन्द्र सिंह 'कलकल'।

दिल्ली पुलिस में असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर यानी एसीपी (पीएचक्यू) राजेन्द्र सिंह को राष्ट्रीय कवि सम्मेलनों में कविता से श्रोताओं को उल्लासित, रोमांचित व भावविभोर करते देखा जा सकता है। देखते ही देखते वह साथ या सामने बैठे व्यक्ति का ऐसा सजीव कैरीकेचर बना देंगे कि आप दंग रह जाएंगे। एक 'शार्प' कार्टूनिस्ट के तौर पर 'कलकल' को अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली है। उनके कद्रदानों में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जानसन भी हैं जिन्होंने अपना कार्टून देख कर 10, डाउनिंग स्ट्रीट (सन् 1735 से लंदन में ब्रिटिश प्रधानमंत्रियों का निवास स्थान) से 'कलकल' को प्रशंसा का पत्र भेजा। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और देश के मिसाइल मिशन के सूत्रधार एपीजे अब्दुल कलाम को जब राजेन्द्र 'कलकल' ने उनका कैरीकेचर दिया तो वे इतने प्रभावित हुए कि उस पर लिख दिया, 'वैरी गुड कार्टून'। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, सदी के मेगास्टार अमिताभ बच्चन, क्रिकेटर कपिल देव और तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा भी उनके प्रशंसकों में शामिल हैं। 'कलकल' के बनाए कार्टून पर इन सभी ने हस्ताक्षर किए हैं व कमेंट लिखे हैं। राजेन्द्र 'कलकल' के बनाए कार्टून/ कैरीकेचर की सूची काफी लंबी है। दिल्ली पुलिस के इतिहास पर किए गए शोध, साहित्यिक प्रतिभा, अध्यात्मवाद और व्यवहारवाद आदि को देख कर सहज रूप से उनकी 'वर्सेटाइल पर्सनैलिटी' का अहसास हो जाता है। हरियाणा के भिवानी जिले के मूल निवासी राजेंद्र सिंह 'कलकल' की बहुमुखी प्रतिभा पर अभी तक हरियाणा साहित्य अकादमी या केंद्र सरकार की साहित्य, कला, शिक्षा, सामाजिक एजेंसियों की नजर न पड़ना आश्चर्यजनक है।

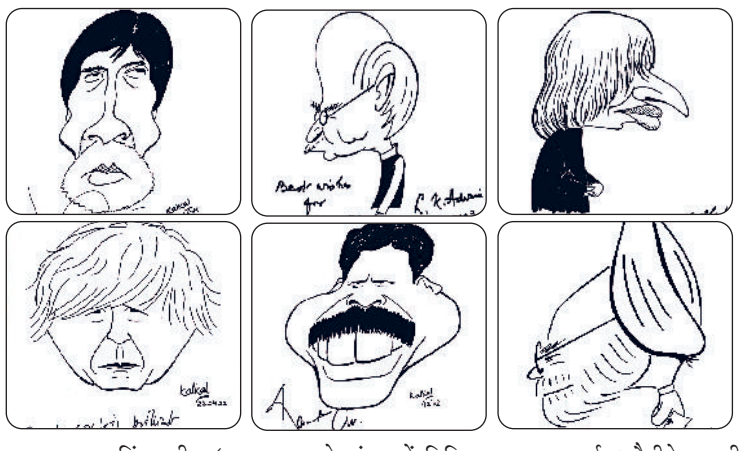

एसीपी राजेन्द्र सिंह 'कलकल' दिल्ली पुलिस के संग्रहालय के सूत्रधार और अनुसंधानकर्ता भी हैं। किंग्स्वे कैंप स्थित यह संग्रहालय कई मायनों में अद्भुत है। 'हिस्ट्री एंड हेरिटेज बुक आफ दिल्ली' में राजेंद्र 'कलकल' का अहम योगदान है।

दुनिया कायल है 'कलकल' की

राजेन्द्र सिंह के कद्रदानों में अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह, अमिताभ बच्चन भी शामिल रहे हैं। अपना कैरीकेचर देख 'मिसाइलमैन' ने लिखा, 'वैरी गुड कार्टून', वहीं ब्रिटिश पीएम बोरिस जानसन ने लैटर भेज कर धन्यवाद किया।

दिल्ली पुलिस की पहली कॉफी टेबल बुक इन्हीं के शोध पर आधारित थी। आजादी से पहले की पुलिस यूनिफॉर्म, बंदूक, टोपी, पुलिस थानों की पहचान, फोटो, जुर्माना, पहली एफआईआर, इंस्पेक्शन बुक, पहला वायरलैस सेट जैसी अनेक रोचक और खोजपरक जानकारी इस संग्रहालय में मौजूद है। दिल्ली पुलिस की वेबसाइट 'कलकल' के कार्टूनों से भरी है। हर कार्टून इतना परफेक्ट कि आप देखते रह जाएंगे। दिल्ली पुलिस की पत्रिकाओं, कैलेंडर में उनके कार्टून छप चुके हैं। 'कलकल' जाने माने कवि भी हैं। उनकी कविताओं व साहित्य रचनाओं में जीवन के कठोर, चुटीले व रोचक किस्सों व प्रेरणादायक वृतांत का समावेश होता है। वह सामाजिक बंधनों की परंपरा को कायम रखने में भी सबसे आगे हैं। वह उपदेशक (मोटिवेशनल स्पीकर) की भूमिका भी निभा रहे हैं जिसमें वह अपने संदेशों में जीवन के प्रति आशावाद और उत्साह का संचार करते हैं। वह बाकायदा मोटिवेशनल क्लास भी लगाते हैं जिसमें दैनिक जीवन के तनावों से मुक्ति पाने के टिप्स दिए जाते हैं। ये टिप्स गीता की शिक्षा पर आधारित होते हैं। इन क्लासों में बढ़ती भीड़ इनकी निरंतर बढ़ती लोकप्रियता को स्वयं साबित करती है। इनके टिप्स बच्चे, युवा, प्रौढ़, बुजुर्ग सभी के लिए होते हैं ।

श्री नामदेव समाज चैरिटेबल ट्रस्ट के निर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

■ समाज के लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का होगा मुख्य उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

श्री नामदेव समाज चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक का आयोजन रविवार को नामदेव भवन धर्मशाला रविदास मार्ग में किया गया। जिसका प्रमुख एजेंडा ट्रस्ट के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी तथा नए सदस्यों को शपथ दिलवाना था। गौरतलब है कि श्री नामदेव समाज चैरिटेबल ट्रस्ट के चुनाव गत दिनों संपन्न हुए थे। जिसमें सर्वसम्मति से पुष्करमल वर्मा रिटायर्ड उपनिदेशक एससीईआरटी हरियाणा को ट्रस्ट का अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया था। इसके अतिरिक्त उपप्रधान पद पर सेवानिवृत्ति पोस्टमास्टर महेंद्र कुमार रतन, सचिव के पद पर प्रवक्ता नवरत्न वर्मा, कोषाध्यक्ष के पद पर पूर्व शिक्षाविद ओमप्रकाश वर्मा लोहारिया, संगठन सचिव के पद पर रमेश कुमार पांडला, उपसचिव के पद पर बृजमोहन गोठवाल, ऑडिटर के पद पर सुभाष कश्यप का निर्वाचन निर्विरोध हुआ था। बैठक में ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा को उनके कार्यकाल में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर निवर्तमान अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा ने कहा कि उनके कार्यकाल में सभी समाज के लोगों ने काफी सहयोग दिया इसके लिए वह उनका दिल से धन्यवाद करते हैं।

नारनौल। बाबूलाल वर्मा को पगड़ी पहनकर सम्मानित करते श्री नामदेव चैरिटेबल ट्रस्ट सदस्य।

बैठक में नवनियुक्त अध्यक्ष पुष्करमल वर्मा ने कहा कि सभी के सहयोग से समाजहित में कार्य किए जाएंगे। अगर किसी विषय पर कोई हमारी आलोचना भी करेगा तो उसको सकारात्मक रूप से सुझाव के रूप में स्वीकार करेंगे। मुख्य उद्देश्य समाज को जागृत कर उन्नति के रास्ते पर लाना है, उन्होंने बताया कि आज हमारा समाज पिछड़ा हुआ है, लेकिन समाज के लोगों की एकजुटता व आपसी भाईचारे के कारण जो तरक्की की है। यहीं कारण है कि आज हमारा समाज शहर की प्रमुख अग्रणी संस्थानों में शामिल है।

ये रहे मौजूद

बैठक में समिति के भूतपूर्व प्रधान सुभाष चंद्र कश्यप, नीरज कोकचा, ओमप्रकाश अटेली, सुभाष चंद्र रोहिल्ला, सूबेदार रामनिवास, रविदत्त वर्मा, दयानंद वर्मा, समिति के उपप्रधान प्रदीप वर्मा, समिति कोषाध्यक्ष सतीश झांकाल, सहसचिव पवन लखमरा, देवेंद्र वर्मा, अनिल वर्मा, केशव रोहिल्ला अटेली, देवेंद्र वर्मा पीरआगा, मनोहर लाल वर्मा, सुभाष कश्यप, त्रिभुवन वर्मा, संजय वर्मा, गोवर्धन वर्मा इंदिरा कॉलोनी, हेमंत रतन आदि मौजूद थे।

समाज हित के लिए किए कार्य: ठेकेदार

समिति व ट्रस्ट के संरक्षक सुभाष चंद्र वर्मा ठेकेदार ने कहा कि समिति व ट्रस्ट ने समाज हित के लिए काफी सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि समिति की ओर से गरीब बच्चों को पढ़ाई के लिए निःशुल्क कोचिंग व्यवस्था की जा रही है। वही बाहर से आने वाले छात्र छात्राओं के लिए छात्रावास में निःशुल्क रहने की व्यवस्था की गई है। वहीं ट्रस्ट की ओर से गरीब महिलाओं को सिलाई मशीन व बुजुर्गों का सम्मान, स्वास्थ्य कैंप लगाना तथा बच्चों में छुपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए प्रतियोगिताएं करवाने जैसे कार्यक्रम किए हैं, जो की सराहनीय रहे हैं। उन्होंने कहा कि एकजुट होकर समाज को ऊंचाइयों के रास्ते पर ले जाना चाहिए। मंच संचालन समिति के सचिव व ट्रस्ट सदस्य डॉ. संजय वर्मा ने किया।

खबर संक्षेप

एचपीएस टैलेंट शो में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में रविवार को बच्चों के लिए एचपीएस टिनी टोट्स टैलेंट शो का आयोजन किया गया। प्राइमरी हैड सोनल चौबे ने बताया कि प्रतियोगिता में एक से तीन तथा चार से सात वर्ष ग्रुप के विद्यार्थियों ने सिंगिंग, डांसिंग, कैलीग्राफी राइटिंग, रैप वॉक, क्यूटैस्ट बेबी, स्वीटैस्ट स्माइल, जैसे अनेक चैलेंज में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय एमडी निधि वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सिहमा में जाहरवीर का 10वां भंडारा 4 को

मंडी अटेली। खंड सिहमा में जाहरवीर गोगा जी महाराज का 10वां भंडारा चार जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। सत्यप्रकाश यादव ने बताया कि हर वर्ष की तरह जाहरवीर गोगा जी महाराज का 10वां जागरण एवं भंडारा आयोजित किया जा रहा है। तीन जुलाई को रात्रि के समय बाबा के दरबार में प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा बाबा की महिमा के भजनों का दयानंद वर्मा, सुभाष छैला गोरी रानी, महाशय श्रीपाल, प्रीति दिल्ली गुणगान करेंगे। चार जुलाई को सुबह हवन करने के बाद मंदिर परिसर में भंडारा लगाकर प्रसाद वितरण किया जाएगा।

सेका मंढाना गांव में किया पौधारोपण

नारनौल। गांव सेका मंढाना के बस स्टैंड पर त्रिवेणी व मंदिर परिसर में पर्यावरण टीम ने अनार, अमरूद, जामुन, आंवला, सहजन, बड़, पीपल आदि पौधे लगाए। इसमें बुजुर्ग महिलाएं, बच्चे व युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। ग्रामीणों ने कहा कि डॉ. अनुप यादव समय समय पर गांव में पौधे लगाते रहते है तथा बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते रहते है।

सुनियोजित विकास से एक नया मापदंड स्थापित कर दिखाया

नीरपुर राजपूत: हरियाणा का वो गांव, जहां सपनों ने आकार लिया और सीएम ने सम्मान किया

■ आधुनिक पांच लेयर एक्रेलिक रनिंग ट्रैक व जंगल सफारी का काम शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले का एक छोटा सा गांव नीरपुर राजपूत, आज पूरे प्रदेश के लिए एक असाधारण प्रेरणा स्रोत बन गया है। हरियाणा सरकार की विकासात्मक सोच व सीएसआर के सहयोग से नीरपुर राजपूत ने अपने सुनियोजित विकास से एक नया मापदंड स्थापित कर दिखाया है। इस उल्लेखनीय परिवर्तन की धुरी गांव के सरपंच रतनपाल चौहान हैं। जिनकी दूरदृष्टि, अटूट संकल्प और समर्पण ने हरियाणा सरकार के सक्रिय सहयोग से उन योजनाओं को जमीन पर उतारा जो, कई बार अक्सर कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं।

मात्र दो वर्षों के भीतर, इस गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। इस बदलाव के पीछे सरपंच रतनपाल चौहान की दूरदर्शिता व नेतृत्व है, जिसने ग्राम पंचायत को एक नई दिशा दी। हरियाणा सरकार के निरंतर समर्थन व पंचायत के अथक प्रयासों ने मिलकर नीरपुर को विकास का एक आदर्श मॉडल बना दिया है। विकास के इसी मॉडल से प्रभावित होकर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव के सरपंच को बेस्ट सरपंच के अवार्ड से भी नवाजा है।

गांव के युवा नशे से दूर रहें तथा खेल से जुड़े रहें, इसके लिए आधुनिक पांच लेयर एक्रेलिक रनिंग ट्रैक बनाया जा रहा है। यह एक ऐसा ट्रैक होता है, जिस पर धावक के जोड़ों पर कम दबाव पड़ता है तथा उसका प्रदर्शन बेहतर होता है। अंतर राष्ट्रीय स्पर्धाओं में भी इसी ट्रैक का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा गांव में एक हरित क्षेत्र यानी जंगल सफारी विकसित की जाएगी। इसमें जिसमें सैकड़ों पेड़ पौधे लगाए जाएंगे, जो पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन दोनों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इन दोनों प्रोजेक्ट के लिए फिलहाल कार्य प्रगति पर है।

नारनौल। निर्माणाधीन फाइव लेयर ट्रैक व स्टेडियम में रात को क्रिकेट खेलते हुए। फोटो : हरिभूमि

डीसी डॉ. विवेक भारती बोले.. अन्य सरपंच लें प्रेरणा

नीरपुर राजपूत के विकास के बारे में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने कहा कि उन्होंने खुद गांव का विकास मौके पर जाकर देखा है। डे नाइट क्रिकेट स्टेडियम में भी जिला प्रशासन के साथ ग्रामीणों का मैच हुआ था। यह विकास का अच्छा मॉडल है, अन्य गांव के सरपंच भी इनसे प्रेरणा ले सकते हैं।

अगले एक दशक को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं योजनाएं: रतनपाल

सरपंच रतनपाल चौहान गर्व से कहते हैं कि हमने केवल विकास की योजनाएं नहीं बनाई, हमने उन्हें जमीन पर उतारा और हर व्यक्ति को उसका भागीदार बनाया। इस कार्य में गांव के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी रही है। यहां अगले एक दशक को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जाती हैं।

दो साल में दर्जनों उपलब्धियां

नीरपुर राजपूत की प्रगति की कहानी दर्जनों उपलब्धियों से भरी है, जो यह दर्शाती हैं कि सामूहिक प्रयास और सरकारी सहयोग से क्या कुछ हासिल किया जा सकता है।

नारनौल। स्टेडियम में खेलते युवा।

बदलाव वहीं होता है, जहां लोग मिलकर सपना देखते हैं: डॉ. राकेश

जिला परिषद के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि नीरपुर राजपूत सिर्फ एक गांव नहीं रहा, यह अब एक मॉडल ग्राम है, जो यह दिखाता है कि अगर सोच स्पष्ट हो और संकल्प मजबूत हो तो ग्रामीण भारत स्वयं अपने भाग्य का निर्माता बन सकता है। बदलाव वहीं होता है, जहां लोग मिलकर सपना देखते हैं और उसे साकार करने में जुट जाते हैं।

डे नाइट स्टेडियम की सौगात

गांव के युवाओं को आधुनिक स्टेडियम मिला है। जहां रात में भी खेलने की सुविधा उपलब्ध है। यह सुविधा केवल नीरपुर के लिए नहीं, बल्कि आसपास के 50 से अधिक गांवों के खिलाड़ियों के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र बन गया है।

स्टेडियम में आधुनिक कैंटीन: खिलाड़ियों के लिए नाश्ते, जूस और शेक जैसी सुविधाओं से युक्त कैंटीन की व्यवस्था की गई है, जो ग्रामीण खेल संस्कृति को नया आयाम दे रही है।

योगा शिक्षक की नियुक्ति: गांव के लोगों की शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए अब नियमित योग प्रशिक्षण उपलब्ध है।

40 फीट गहरा जोहड़: नहर से जुड़ा यह नया जोहड़ न केवल जलस्तर बढ़ा रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण: शिक्षा के प्रति पंचायत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए एक डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण किया जा रहा है, जिससे हर उम्र के विद्यार्थी नई तकनीक से जुड़ सकेंगे।

स्ट्रीट लाइट्स व पौधरोपण: गांव की हर गली अब रोशन और हरी भरी है, जो बिजली और हरियाली के संगम का बेहतरीन उदाहरण है।

हरियाणा का नशा मुक्त गांव: सामूहिक प्रयासों से नशा मुक्त अभियान में मिली सफलता के परिणामस्वरूप, नीरपुर अब हरियाणा का नशा मुक्त गांव बन गया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री ने सरपंच रतनपाल चौहान को पूरे राज्य में बेस्ट सरपंच के अवॉर्ड से सम्मानित किया।

बीपीएल परिवारों को गांव में ही राशन: अब जरूरतमंद परिवारों को राशन के लिए दूर नहीं जाना पड़ता, जिससे सुविधा और सम्मान दोनों का ध्यान रखा गया है।

गांव सचिवालय: इस गांव में ग्राम सचिवालय भी बनाया गया है, जहां योजनाएं बनती हैं। इसके माध्यम से नागरिकों को सरकार की योजनाओं तथा सेवाओं का लाभ लेने में काफी आसानी हो रही है।

बीआर स्कूल में दो दिवसीय सीबीएसई इन-हाउस प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव सेहलंग स्थित बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा अनुमोदित दो दिवसीय आंतरिक (इन-हाउस) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण का विषय अनुभवात्मक अधिगम था, जिसमें विद्यालय के समस्त शिक्षकगण ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। विद्यालय के चेयरमैन हरीश भारद्वाज एवं उप-प्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज ने उपस्थित सभी शिक्षकों का स्वागत किया एवं प्रशिक्षण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस प्रशिक्षण हेतु मुख्य प्रशिक्षिका के रूप में डॉ. राज सांगवान (शैक्षणिक अधिष्ठाता, आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चरखी दादरी) पधारी। जो सीबीएसई द्वारा प्रमाणित मास्टर ट्रेनर हैं। डॉ. सांगवान ने शिक्षकों को अनुभवात्मक अधिगम के सिद्धांतों, गतिविधि-आधारित शिक्षण विधियों, विद्यार्थियों की सहभागिता एवं मूल्यांकन प्रक्रिया पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को तीन सत्रों में विभाजित किया गया।

महेंद्रगढ़। शुभारंभ अवसर पर दीप प्रज्वलन करते हुए स्टॉफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मन की बात कार्यक्रम में पीएम ने आपातकाल के दर्द को सांझा किया: भारती सैनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

विधानसभा के बूथ नंबर 78 कैलाश नगर रेवाड़ी रोड पर भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष एवं नगर परिषद की पूर्व चेयरपर्सन भारती सैनी के आवास पर एक महत्वपूर्ण आयोजन हुआ, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का टेलीविजन प्रसारण देखा गया। इस अवसर पर महिला जिलाध्यक्ष भारती सैनी ने अपने विचार सांझा किए और प्रधानमंत्री के संबोधन से प्रेरित हुईं। भारती सैनी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में देश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और नागरिकों से अपने विचार सांझा किए। नगर परिषद की पूर्व अध्यक्ष ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों ने उन्हें देश के विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि वह महिला सशक्तिकरण और सामाजिक मुद्दों पर काम करना जारी रखेंगी। इस आयोजन ने स्थानीय समुदाय में एकता और जागरूकता को बढ़ावा दिया है। लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों से प्रेरणा ली और अपने दैनिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया। भारती सैनी ने अपने क्षेत्र में सामाजिक और विकासात्मक परियोजनाओं पर काम करने का निर्णय लिया है। वह स्थानीय लोगों के साथ मिलकर सामुदायिक मुद्दों का समाधान करने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात के जरिए देश के लगाए गए आपातकाल के दर्द को सांझा किया और बताया कि आपातकाल लगाने वालों ने न सिर्फ संविधान की हत्या की, बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखना था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया, अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सका। उन्होंने योग दिवस मनाने की बधाई भी दी।

नारनौल। प्रधानमंत्री नरेंद्र के मन की बात कार्यक्रम को देखती भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष भारती सैनी एवं परिवारजन।

हरित वसुंधरा आधार समिति ने नूनी शेखपुरा स्थित श्मशान आश्रम में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज. ⏭ नारनौल

हरित वसुंधरा आधार समिति की ओर से पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सहभागिता के उद्देश्य से ग्राम नूनी शेखपुरा स्थित श्मशान आश्रम परिसर में एक भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत श्मशान स्थलों को हरित वाटिकाओं के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया गया। जिससे भावी पीढ़ियों को एक स्वच्छ, समृद्ध एवं हरित पर्यावरण का उपहार दिया जा सके। इस अवसर पर ग्रामवासियों के स्नेहपूर्ण सहयोग से विभिन्न प्रजातियों के कुल 201 पौधे रोपित किए गए।

इस पुनीत कार्य में सैनी समाज सहित अनेक पर्यावरण प्रेमियों ने श्रमदान, समय व संसाधनों से उत्साहपूर्वक भाग लिया। समिति के संस्थापक सदस्य व सचिव सुरेश सैनी ने बताया कि समिति अब तक विभिन्न स्थलों पर 7200 से अधिक पौधों का रोपण कर चुकी है। इससे पूर्व गोमाता उपचारशाला स्वर्ग आश्रम, बाईपास स्वर्ग आश्रम व पटीकारा श्मशान भूमि को भी हरे भरे स्थलों के रूप में विकसित किया जा चुका है। जहां नागरिक प्रातः भ्रमण व योगाभ्यास करते हुए स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्षद सुल्तान सिंह ने समिति के प्रयासों की सराहना की तथा अपने वार्ड सहित समूचे नगर क्षेत्र को हरित बनाने हेतु भविष्य में भी सक्रिय सहभागिता का आश्वासन दिया। उन्होंने उपस्थित सभी नागरिकों से पौधों की निरंतर देखभाल की अपील भी की।

नारनौल। नूनी शेखपुरा में पौधारोपण करते हुए । फोटो : हरिभूमि

यह रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व पंच राजेंद्र, पूर्व पंच सुखराम, चंदूला प्रधान, महेंद्र प्रधान, प्रकाश सिंह, सहदेव, मीरचंद, एडवोकेट भास्कर, अतर सिंह, चंद्रभान, शेरसिंह, ज्ञानीराम आदि मौजूद थे। इस अवसर पर हरित वसुंधरा आधार समिति सदस्यों ने समस्त ग्रामवासियों का स्नेह, सहयोग, शारीरिक श्रम व आर्थिक योगदान के लिए आभार जताया।

आयोजन को सफल बनाने में दिया योगदान

इस आयोजन को सफल बनाने में विभिन्न दानदाताओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिसमें सुल्तान सिंह पार्षद ने 5100 रुपये, डॉ. हनुमान सैनी ने 2100, डॉ. दलिप सैनी ने 2100, नरेंद्र सैनी ने 1100, हजारी मास्टर ने 1100, रामोतार मिस्त्री ने 1100, प्रेमचंद लाला ने 500 रुपये का सहयोग किया। इन सभी महानुभावों ने समिति के कार्यों में न केवल आर्थिक योगदान दिया, बल्कि सक्रिय भागीदारी से इसे सफल रूप प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन समिति के प्रधान एडवोकेट हर्ष सैनी व सदस्य जगदीश सैनी ने किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, ग्रामवासियों व सहयोगकर्ताओं का हृदय से आभार प्रकट किया तथा पौधों को संरक्षित करने की सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया।

सरपंच ग्राम पंचायत सुरेहती जाखल
खंड सतनाली, जिला महेन्द्रगढ़ (हरि.)

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सुरेहती जाखल खंड सतनाली जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) अपने कंडम प्रा. उप-स्वास्थ्य केन्द्र भवन के खड़े मैटेरियल को दिनांक 02.07.2025 को सुबह 10 बजे पंचायत घर के नजदीक मौके पर नीलाम करने जा रही है। इच्छुक बोलीदाता समय पर पहुंचकर बोली लगाएं। सभी शर्तें मौके पर सुना दी जाएगी।

हस्ता/-सचिव
ग्राम पंचायत सुरेहती जाखल
जिला महेन्द्रगढ़
मो. नं. 9466759308

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत
सुरेहती जाखल (महेन्द्रगढ़)
मो. नं. 9416862847

खबर संक्षेप

नारनौल। नामांकन करते एडवोकेट कृष्ण कुमार शर्मा। फोटो : हरिभूमि

एडवोकेट कृष्ण शर्मा ने किया कॉलेजियम के लिए नामांकन

नारनौल। जिला गौड़ ब्राह्मण सभा में त्रिवार्षिक कॉलेजियम मेंबर चुनाव के लिए नामांकन के दूसरे दिन जिले के वार्ड नंबर 69 से कृष्ण कुमार शर्मा एडवोकेट गुवनी ने अपना चुनाव नामांकन पत्र मुख्य चुनाव अधिकारी मनीष वशिष्ठ एडवोकेट, सहायक चुनाव अधिकारी संजय शर्मा के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर नरेश जोशी मौजूद रहे। कृष्ण शर्मा के चुनाव प्रस्तावक के रूप में उनके साथ कैलाश चंद शर्मा व भगवान दास उर्फ मानसिंह ने चुनाव फार्म पर हस्ताक्षर करके अपनी सहमति दी है।

महेंद्रगढ़। विधायक का आभार जताते कष्ट निवारण समिति के सदस्य।

कष्ट निवारण समिति का सदस्य बनने पर आभार

महेंद्रगढ़। गांव लावन निवासी प्रदीप कुमार को जिला लोक संपर्क एवं शिकायत निवारण समिति (ग्रीवेंस कमेटी) का सदस्य नियुक्त किया गया है। प्रदीप कुमार ने विधायक कंवर सिंह यादव को मिठाई खिलाकर आभार व्यक्त किया। प्रदीप कुमार ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधायक कंवर सिंह यादव एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा मेहनती कार्यकतार्ओं की सेवा भावना को देखकर ही पद देती है। इस अवसर पर राजदीप, कृष्ण कुमार, रणधीर सिंह, ललित, राहुल, सुजान, मोनू, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। बैठक में भाग लेते हाउसिंग बोर्ड एसोसिएशन के सदस्य।

समस्याओं को लेकर किया विचार विर्मश

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ स्थित हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी सिसोठ में हाऊसिंग बोर्ड रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक प्रधान शमशेर सिंह की अध्यक्षता में हुई, जिसका संचालन कमेटी के सचिव मास्टर नित्यानंद ने किया। इस मीटिंग का मुख्य उद्देश्य हाऊसिंग बोर्ड कालोनी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सफाई व्यवस्था करवाना, सीवरेज व्यवस्था ठीक करने, खराब स्ट्रीट लाइट को ठीक करवाना रहा।

आयुष्मान स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ने की मांग

नारनौल। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामनिवास मानव ने महर्षि च्यवन चिकित्सा महाविद्यालय कोरियावास को आयुष्मान भारत योजना व आयुष्मान वंदना योजना से जोड़ने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे आपने पत्र में डॉ. मानव ने लिखा है कि नारनौल का नागरिक अस्पताल घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र में स्थित है।

भ्रष्टाचार पर बोली-एक पैसा भी खाया हो तो आपकी जूती मेरा सिर

हुडा कार्यकारिणी के शपथ समारोह में छलका नगर परिषद चेयरपर्सन का दर्द

1. हुडा स्थित राधा–कृष्ण मैरिज पैलेस में रविवार प्रातः चल रहा था नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह
2. अपना काम पूरी ईमानदारी और मेहनत से कर रही हैं, आरोप लगाए जाते हैं तो होता है दुःख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हुडा सेक्टर एक स्थित राधा-कृष्ण मैरिज पैलेस के हॉल में नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी का दर्द छलक पड़ा। दरअसल हुआ यूं कि हुडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की चुनी गई वर्किंग कमेटी का रविवार प्रातः 10 बजे शपथ ग्रहण समारोह चल रहा था। उसी दौरान कार्यक्रम जब समापन की ओर बढ़ रहा था, तब मंच से विचार प्रकट करने के लिए चेयरपर्सन कमलेश सैनी को आंमत्रित किया गया। नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी इस शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता कर रही थी और अब हुडा में उनका निवास स्थान भी है, इस नाते उन्हें प्रमुखता से मंच द्वारा संबोधन के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपना चिर-परिचित शैली में संबोधन शुरू किया और नवगठित कार्यकारिणी को बधाई और शुभकामनाएं देने के साथ ही समस्त हुडावासियों का आभार भी प्रकट किया कि नगर परिषद चेयरपर्सन के चुनाव में उन्हें यहां से अच्छी-खासी मदद मिली और वह इस मुकाम तक पहुंच पाई। उन्होंने कहा कि अब हुडा भी नगर परिषद के अधीन है और यहां विकास कार्य भी नगर परिषद की देखरेख में ही करवाए जा रहे हैं, लेकिन बड़े अफसोस का विषय है कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लोग उन पर भी उंगली उठा देते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपना काम पूरी ईमानदारी और मेहनत से कर रही हैं, लेकिन जब उन पर आरोप लगाए जाते हैं तो उन्हें बड़ा दुःख होता है। मन को, सम्मान को ठेस पहुंचती है और भारी आघात लगता है। उन्होंने कहा कि वह किसी काम के कोई पैसे नहीं लेती हैं और सेवा के रूप में इस कार्य को आगे बढ़ा रही हैं। यदि कोई भी व्यक्ति उस द्वारा एक रुपया भी लेना सिद्ध करता है कि आप सब लोगों की जूती होगी और उसका सिर होगा। इसलिए सोच-समझकर ही बोलना चाहिए। खासकर तब, जब किसी की आलोचना करनी हो, क्योंकि लांछन लगाकर किसी की छवि को खराब करना अनुचित नहीं है। उन्होंने कहा कि वह भी हुडा की निवासी हैं और यहां की समस्याओं को हल करने में वह लोगों की हर संभव मदद करेंगी और उनके कंधे से कंधा मिलाकर हमेशा आगे खड़ी रहेंगी। उन्होंने कहा कि हुडा को कैटल फ्री करवाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा यहां घूमने वाले पशुओं को पकड़कर गोशाला पहुंचाया जा रहा है। अन्य विकास कार्य भी तेजी से करवाए जा रहे हैं। अधूरी सड़कों को शीघ्र ही पूरा करवाया जाएगा। इस समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव थे, जिन्होंने नवगठित कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हुडा सेक्टर हमारे शहर का चेहरा है और चेहरे की भांति यह भी हमेशा साफ-सुथरा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जबसे हुडा बना है, तब से पहले 20 साल में महज एकबार यानि पहली दफा ही सड़कें बनी थी और हमारे राज में पिछले 10 साल में दो बार नई सड़कें बना चुके हैं। काम करने का फर्क साफ देख लो। उन्होंने कहा कि हुडावासियों को प्राथमिकता देते हुए यहां के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए वाटरटैंक बनवाए गए हैं। पिछले दिनों जब नहरी पानी का संकट था, तब यहां वाटरटैंकों के जरिए भारी मात्रा में पीने के पानी सप्लाई करवाई गई, ताकि यहां रह रहे लोगों को पीने के पानी की समस्या न हो। उन्होंने कहा कि यहां हुडा के अधिकारी नहीं बैठते थे और छोटे से छोटे काम के लिए रेवाड़ी जाना पड़ता था, लेकिन हमने यहां अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था करवाई। सीवर की समस्या हल करने के लिए हुडा को जनस्वास्थ्य विभाग से जोड़ा गया। बिजली, पानी, स्ट्रीट लाइट, पार्कों आदि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां की समस्याओं को वह प्राथमिकता से हल करवाएंगे।

नारनौल। नई कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते विधायक ओमप्रकाश यादव। फोटो : हरिभूमि

यह रहे मौजूद

इस मौके पर रेवाड़ी के जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष सामरिया, डीपीई डा. हंसराज गुर्जर, डा. संजय तंवर, मुकेश डीपीई, महेंद्र नायक, रिटायर्ड ईटीओ रामसिंह आर्य, ब्रह्मदत्त, सुनील, पूर्व चेयरमैन जेपी सैनी, पूर्व प्रधान पंकज देवी यादव, नप के पूर्व उपप्रधान मनोज जांगड़ा, सूरज अग्रवाल, पूर्व प्राचार्य जयप्रकाश कौशिक, पार्षद कपिल यादव, पार्षद मुकेश शर्मा, पार्षद संदीप भांखर, जाट महासभा के अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह छिल्लर, हरद्वारी लाल ठेकेदार, सुभाष चंद एडवोकेट एवं रोडवेज के पूर्व प्रधान कंवर सिंह श्योराण आदि समेत सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संबोधन से पहले दिलाई शपथ

हुडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी में नरेश चौधरी को प्रधान, सुरेंद्र लाल शर्मा मो उपप्रधान, अमरजीत सिंह बडेसरा को सचिव, राजेश बंसल को संयुक्त सचिव, अनिल गुप्ता को खजांची तथा महेंद्र सिंह को प्रेस सचिव चुना गया है। इन सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाने के साथ ही प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इनके अलावा कार्यकारिणी में सदस्य भी शामिल किए गए हैं, जिनमें वासुदेव यादव, रविंद्र कुमार, सरोजबाला, अनीता चौहान, ओमप्रकाश चौधरी व निहाल शर्मा शामिल हैं। इसके अलावा एक सलाहकार मंडल का भी गठन किया गया है, जिसमें पूर्व प्रधान डा. आरएन यादव, जिलेसिंह चौधरी, अजीत जैन, यादराम हैडमास्टर, संजय गर्ग, मानसिंह यादव, भूपसिंह यादव व कैप्टन पतराम शामिल हैं। इसके साथ ही विशेष आमंत्रित सदस्यों में अलकेश यादव, मानसिंह नूनीवाल, अरुण नूनीवाल, डा. सुमेर सिंह यादव, डा. सुनील गुप्ता एवं डा. सुरेंद्र सिंह यादव शामिल हैं। इन सभी को मंच से प्रमाण पत्र वितरित किए गए। मंच संचालन सीनियर एडवोकेट रविंद्र सिंह यादव ने किया तथा अतिथियों को पगड़ियों से सम्मान किया गया।

रोटरी क्लब ने किला रोड पर करवाया वाटर हट व सार्वजनिक शौचालय का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

रोटरी क्लब सिटी की ओर से शहर के मेन बाजार किला रोड पर एक शीतल जल कुटीर वाटर हट व महिला तथा पुरुष शौचालय का निर्माण करवाया। रोटरी क्लब के तत्वावधान में इस वाटर हट का निर्माण रोटेरियन हिमांशु अग्रवाल के दादा स्वर्गीय राधेश्याम अग्रवाल की पुण्य स्मृति में उनकी पत्नी सुमित्रा देवी व पुत्र पवन अग्रवाल व नरेश अग्रवाल ने करवाया। रविवार को कार्यक्रम के मुख्यातिथि सीटीएम मंजीत कुमार ने वाटर हट का शुभारंभ करते हुए कहा कि शहर का मुख्य बाजार होने के कारण इस क्षेत्र में लोगों का आवागमन भी सारा दिन रहता है। किला रोड पर निर्मित इस वाटर हट व शौचालय का मार्केट के लोगों तथा आने जाने वाली पब्लिक को सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेडक्रॉस के जनरल सचिव महेश जोशी ने की तथा नप कार्यकारी अधिकारी दीपक गोयल तथा नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

वाटर हट व शौचालय का निर्माण करवाने पर पवन अग्रवाल व नरेश अग्रवाल ने कहा कि अपने पिता की याद में मां सुमित्रा देवी के आशीर्वाद से जनसेवा हेतु यह निर्माण कार्य करवाया गया है। जिससे बाजार के दुकानदारों भाइयों व आने वाली आम जनता को सुविधा मिल सकेगी। नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने कहा कि आम जनता की भलाई के लिए किया गया नेक कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता। उन्होंने पब्लिक से अपील की कि सुविधा के साथ उसे स्वच्छ रखना हम सबकी भी जिम्मेदारी होती है।

नारनौल। शीतल जल कुटीर का शुभारंभ करते सीटीएम मंजीत कुमार।

भालखी गांव में डीसी का रात्रि ठहराव कार्यक्रम आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा सरकार की जनता से सीधे संवाद पर आधारित पहल रात्रि ठहराव कार्यक्रम के अंतर्गत डीसी डॉ. विवेक भारती की अध्यक्षता में सोमवार को महेंद्रगढ़ उपमंडल के गांव भालखी में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनेंगे। एसडीएम अनिल कुमार यादव ने बताया कि सोमवार को सायं 5 बजे भालखी गांव स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित रात्रि ठहराव कार्यक्रम में उपायुक्त की अध्यक्षता में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी। एसडीएम ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन आमजन तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने और उन्हें लाभान्वित करने का प्रभावी माध्यम हैं। प्रशासन स्वयं गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुने, समझे और मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करे।

कलिंगा गांव में 22 से 28 जून तक राष्ट्रीय शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

भिवानी जिले के कलिंगा गांव में 22 जून से 28 जून तक आयोजित क्षत्रिय युवक संघ के राष्ट्रीय शिविर में भाग लेकर लौटे गौरव वर्धन सिंह तंवर व भानुप्रताप सिंह चौहान का धनौंदा गांव में ग्रामवासियों ने स्वागत किया। राजेंद्र सिंह नंबरदार की अध्यक्षता में आयोजित स्वागत समारोह में ग्रामीणों ने दोनों स्वयंसेवकों को फूलमालाएं पहनाकर व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। गौरव वर्धन सिंह व भानुप्रताप सिंह ने कहा कि इस राष्ट्रीय शिविर में 200 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शिविर में क्षात्र धर्म की महान विरासत, परंपराओं, गुण तथा विशेषताओं से स्वयंसेवकों को अवगत करवाया गया।

उन्होंने बताया कि शिविर में शारीरिक व्यायाम, जप तप तथा आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया गया। इसके साथ ही गौरवशाली क्षत्रिय इतिहास, जुझार, संस्कृति, संविधान और सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक मूल्यों और मुद्दों की जानकारी भी दी गई। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर युवाओं को अपनी संस्कृति, धर्म, विरासत से जुड़ने तथा आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। यह न केवल भाग लेने वाले स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व को निखारता है, बल्कि उन्हें समाज में बदलाव लाने की ताकत व प्रेरणा भी देता है। इस मौके पर राजेंद्र सिंह नंबरदार, ठाकुर अतरलाल, डॉ. मुकेश पंच, रामवीर पंच, गुरुदत्त पंच, किशनपाल सिंह, मीरसिंह वैद्य, सुभाष कौशिक, अजय सिंह पहलवान, कैलाश सेठ, देशराज सिंह, मनोज सिंह आदि मौजूद थे।

स्वयंसेवकों को ग्रामीणों ने फूल मालाएं पहनाकर किया सम्मानित

नारनौल। स्वयंसेवकों को सम्मानित करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

बिजली की लटकती केबल से आमजन परेशान

नारनौल। रोष जताते कॉलोनी निवासी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। महात्मा रामकरण दास कॉलोनी नजदीक एचपी गैस गोदाम के पास मुख्य मार्ग पर बने घरों के सामने से बिजली लाइन की नीचे लटकती केबल से आमजन काफी परेशान है। कॉलोनी के लोगों ने बताया कि पिछले एक वर्ष से बिजली की तारें बहुत ही नीचे लटक रही है और गिरने के कगार पर है। जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन बिजली निगम के अधिकारी व कर्मचारी लटकती तारों की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली की लटकती तारों के चलते हवा चलने से लाइन में बार बार फाल्ट आ जाता है। जिससे बिजली सप्लाई तो बाधित होती ही है, बिजली के उपकरण जलने का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने बताया कि बार बार फाल्ट होने पर बिजली निगम के कर्मचारी तारों को जोड़कर के इतिश्री करके चले जाते है, लेकिन केबल को बदला नहीं जा रहा है। जिससे बारिश के मौसम में खतरा बना हुआ है।

संत कबीर केवल एक संत नहीं, बल्कि एक जागरूक विचारधारा है: विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

यादव धर्मशाला में धानक समाज की ओर से संत शिरोमणी कबीर साहब का 628वां प्रकटोत्सव दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह पुत्र मोहित चौधरी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक कंवर सिंह यादव रहे। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष यतेंद्र राव, जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार, पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र बंटी, ललित तंवर, वचनाई नाथ पार्षद, देवेंद्र पार्षद, रणधीर सिंह व पाली मंडल अध्यक्ष दीपिका रहे। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि संत कबीर केवल एक संत नहीं, बल्कि एक जागरूक विचारधारा है। उन्होंने समाज को छुआछूत, जात-पात और भेदभाव से ऊपर उठकर समता और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। संत शिरोमणी कबीर के जीवन से हमे प्रेरणा लेनी चाहिए। संत कबीर की वाणी आज भी सामाजिक एकता और समरसता का संदेश देती है। मोहित चौधरी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को संत कबीर की शिक्षाओं से जुड़ना चाहिए, क्योंकि उनके विचार समानता, भाईचारे और आत्मबोध की वह रोशनी है जो समतामूलक समाज के निर्माण में मार्गदर्शक बन सकती है। अमर सिंह, मोहन लाल, महेंद्र सिंह, मेजर जगदीश, बीएसएनएल के पूर्व डीजीएम महेंद्र सिंह खन्ना, मास्टर ओमप्रकाश छापडा आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। मुख्यातिथि का स्वागत करते समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

पुरानी मंडी को परचेज सेंटर बनवाने पर विधायक का जताया आभार

नारनौल। विधायक ओमप्रकाश यादव का आभार जताते व्यापारी।

नारनौल। दी खाद्यान्न व्यापार एसोशिएशन के एक प्रतिनिधित्व मंडल ने प्रधान रामजीलाल मित्तल के नेतृत्व में विधायक ओमप्रकाश यादव से उनके आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर व्यापारियों ने विधायक का आभार व्यक्त किया व उनका मुंह मीठा करवाया। एसोसिएशन के प्रधान ने बताया कि पुरानी अनाज मंडी नजदीक राजीव चौक को 30 अप्रैल 2026 तक के लिए परचेज सेंटर बनवा दिया गया है। अब इस मंडी में सभी प्रकार की कृषि उपज की क्रय विक्रय की जा सकेगी। यह कार्य विधायक के प्रयासों से ही हो पाया है। इस मंडी में कार्य होने से सैकड़ों आड़ती के साथ साथ छोटे दुकानदारों, खोखे वालों, रेहड़ी वालों व मजदूरों को भी अपना परिवार का पेट पालने के लिए रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही विधायक से समय लेकर मंडी में सम्मान समारोह किया जाएगा। इस मौके पर बद्रीप्रसाद गर्ग, पूर्व प्रधान पुष्करमल गोयल, अनिल चौधरी, रूपनारायण कंछल, राजेंद्र प्रसाद, रविंद्र गर्ग, प्रदीप शर्मा, विकास गर्ग आदि मौजूद थे।

कमल बने एबीवीपी के जिला संयोजक

कमल रोहिल्ला

महेंद्रगढ़। सिरसा में 26 से 29 जून तक आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा प्रांत का प्रांत अभ्यास वर्ग में डॉ. अविनाश को जिला प्रमुख व कमल रोहिल्ला को जिला संयोजक का दायित्व सौंपा गया। जिला संयोजक कमल रोहिल्ला ने पूर्व में विद्यार्थी परिषद में राजकीय महाविद्यालय सतनाली में इकाई अध्यक्ष एवं प्रांत कार्यकारिणी सदस्य आदि दायित्व का निर्वहन किया है। डॉ अविनाश यादव जी ने पूर्व में प्रांत कार्यकारिणी सदस्य एवं नगर अध्यक्ष महेंद्रगढ़ आदि दायित्व का निर्वहन किया है। कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य नागेश ठाकुर, उत्तर क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री गौरव बद्धी, हरियाणा के प्रांत संगठन मंत्री संजय कसवा, प्रांत मंत्री राहुल वर्मा एवं प्रांत अध्यक्ष सुशील मेहता व राष्ट्रीय मंत्री आदित्य विशेष रूप से मौजूद थे। चार दिवसीय कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्य पद्धति अचार्य विचार आचार्य पद्धति एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की सैद्धांतिक भूमिका के ऊपर सभी कार्यकतार्ओं को एक तथ्य रूप से विस्तार से उन्हें बताया गया कि कैसे विद्यार्थी परिषद की पद्धति कार्य करती है और कैसे हम हमारे परिसर में चल के विद्यार्थियों के बीच अपनी बातें रखें और परिसर में हमारे राष्ट्र को एक राष्ट्रीय की राष्ट्र के प्रति सोच को बढ़ाने के लिए विद्यार्थी परिषद कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नेकी की दीवार नेशनल थैलेसीमिया सेमिनार व सम्मान समारोह का आयोजन

नीडी हेल्प ग्रुप को रक्तदान के लिए किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

एक कदम थैलेसीमिया मुक्त समाज की ओर अभियान के तहत रोहतक स्थित डेरा बाबा लक्ष्मणपुरी गौकर्णधाम में हम और आप सोशल वेलफेयर सोसाइटी तथा रक्तगिरि फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में नेशनल थैलेसीमिया सेमिनार व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में देशभर के 12 से अधिक राज्यों पीजीआई रोहतक, लखनऊ, दिल्ली आदि दूरदराज से आए रक्तवीर योद्धाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप को रक्तदान के क्षेत्र में किए गए अनुकरणीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। संगठन की ओर से संस्थापक मनीष गोगिया व टीम ने सम्मान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में गौकर्णधाम से स्वामी कपिल पुरी महाराज व अनाथ एवं वृद्ध आश्रम से परमानंद महाराज का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, राजेश जैन, डॉ. एके अग्रवाल, सीएमओ रोहतक रमेश चंद्र आर्य सहित अनेक विशिष्टजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सेमिनार के दौरान थैलेसीमिया रोग के रोकथाम हेतु जागरूकता फैलाने और इसे राष्ट्रीय स्तर पर नियंत्रित करने के उपायों पर विशेषज्ञों ने विस्तृत विचार विमर्श किया।

नारनौल। सेमिनार में मनीष गोगिया व टीम सदस्यों को सम्मानित करते हुए।

ठोस नीति बनाने की मांग

भविष्य की पीढ़ी को बचाने का एक जिम्मेदार तरीका है, क्योंकि विवाह से पहले जांच करवाकर थैलेसीमिया की श्रृंखला को तोड़ा जा सकता है, जो कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। इस दौरान नेकी की दीवार नीडी हेल्प की ओर से हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा को थैलेसीमिया मुक्त भारत अभियान के समर्थन में एक ज्ञापन भी सौंपा गया। जिसमें इस गंभीर बीमारी की रोकथाम के लिए ठोस नीति बनाने की मांग की गई। कार्यक्रम के अंत में रक्तवीर मनीष गोगिया ने आयोजन समिति, सहयोगी संस्थाओं व सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान केवल जीवनदान नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। हम सब मिलकर भारत को थैलेसीमिया मुक्त बना सकते हैं। इस प्रोग्राम में संस्था की तरफ से मनीष गोगिया, अनिल शर्मा, सुनील शर्मा, प्रवेश जांगिड़ मौजूद रहे।

हकेंवि में स्नातकोत्तर में दखिले के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पात्र अभ्यर्थी 30 जून तक आनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि हकेंवि में स्नातकोत्तर के 42 कार्यक्रमों में कुल 1447 सीटें उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल आफिसर डॉ. तेजपाल ढेवा ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थी सोमवार 30 जून तक आनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। इसके साथ-साथ अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु 1 से 3 जुलाई तक करेक्शन विंडो भी अभ्यर्थियों के लिए खुली रहेगी। डॉ. तेजपाल ढेवा ने बताया कि पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी और पहली काउंसलिंग की श्रेणीवार लिस्ट 7 जुलाई को जारी होगी। जिसके आधार पर संबंधित कार्यक्रमों में दाखिले प्रदान किए जाएंगे।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। फोटो : हरिभूमि